राजनीति विज्ञान का क्षेत्र (Scope of Political Science)

किसी भी विषय के क्षेत्र से आशय उसके अन्तर्गत विवेच्य तथ्यों, तर्कों, आदर्शों एवं विषयवस्तु से होता है। इसी के माध्यम से विषय के विस्तार एवं परिधि का निर्धारण होता है। राजनीति विज्ञान मौलिक रूप से समाज में मानवीय गतिविधियों, राज्य में सत्ता संस्थानों के व्यवहार, तथा सामुदायिक / सार्वजनिक कार्यक्रमों एवं अन्तर्राष्ट्रीय फलक पर, विभिन्न राष्ट्रों के पारस्परिक सम्बन्धों का निरूपण करता है। अतः इसमें सभी प्रकार के समूह, राजनीतिक निकाय, राज्येत्तर कर्ता, विविध प्रकार की संकल्पनाएं तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान समाहित हैं। इसकी व्यापकता को ध्यान में रखते हुए राजनीति वेत्ताओं ने इसके क्षेत्र के विषय में विविध प्रकार के विचार व्यक्त किये हैं। गार्नर ने राजनीति विज्ञान के क्षेत्र को तीन भागों में विभक्त किया गया है —

(1) राज्य की उत्पत्ति और उसकी प्रकृति की खोज
(2) राजनीतिक संस्थाओं की प्रगति, उसका इतिहास एवं उनके स्वरूपों का अध्ययन
(3) जहाँ तक सम्भव हो राजनीतिक विकास के नियमों का निर्धारण करना

ब्लंटशली ने कहा है कि — "राजनीति विज्ञान का सम्बन्ध राज्य के आधारों से है और वह उसकी आवश्यक प्रकृति, इसके विविध रूपों इसकी अभिव्यक्ति तथा उसके विकास का अध्ययन करता है।"

Scanned with CamScanner

परिभाषा

राज्य के अध्ययन के रूप में

ब्लंटशली - "राजनीति विज्ञान वह विज्ञान है जिसका सम्बन्ध राज्य से है और जो यह समझने का प्रयत्न करता है कि राज्य के आधारभूत तत्व क्या है उसका आवश्यक स्वरूप क्या है, उसकी किन विविध रूपों में अभिव्यक्ति होती है तथा उसका विकास कैसे हुआ है।"

डॉ. गार्नर - "राजनीति विज्ञान विषय के अध्ययन का प्रारम्भ तथा अन्त राज्य के साथ होता है।"

जेक्स - "राजनीतिविज्ञान राज्य का विज्ञान है।"

सरकार के अध्ययन के रूप में

सीले - "राजनीतिविज्ञान उसी प्रकार सरकार के तत्वों का अनुसंधान करता है, जैसे- सम्पत्तिशास्त्र सम्पत्ति का, जीवशास्त्र जीव का, बीजगणित अंकों का, ज्यामितीय शास्त्र स्थान एवं लम्बाई-चौड़ाई का करता है।"

लीकॉक - "राजनीतिविज्ञान सरकार से सम्बन्धित विषय है।"

राज्य और सरकार दोनों के अध्ययन के रूप में

डिमॉक - "राजनीतिशास्त्र का सम्बन्ध राज्य तथा उसके साधन सरकारसे है।"

गिलक्राइस्ट - "राजनीतिविज्ञान राज्य और सरकार की सामान्य समस्याओं का अध्ययन करता है।"

आशीर्वादम - "राजनीतिविज्ञान राज्य और शासन दोनों का ही विज्ञान है"